Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 30 June 2024

Dainik Jagran Page - 10

एआइ और मशीन लर्निंग से होगी पौधों की पहचान, जानेंगे फायदा-नुकसान

डा. राकेश राय • जागरण

- पौधे के वनस्पति विज्ञान विभाग में एआइ और मशीन लर्निंग पर शोध के लिए बनी योजना
- नए सत्र से शोधार्थियों को इस नए विषय पर शोध के लिए किया जाएगा प्रोत्साहित

गोरखपुर : पौधों की पहचान और उसके गुण-दोष की जानकारी के लिए एआइ (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और मशीन लर्निंग के प्रयोग करने का रास्ता खुलेगा। पौधों की नस्ल सुधारने का तरीका भी पता चलेगा। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग ने इसे लेकर शोध से जुड़ी व्यापक योजना तैयार की है, जिसे नए सत्र से लागू किया जाएगा। इस विषय पर शोध के लिए शोधार्थियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। विभाग ने इस विषय को अपनी शोध योजना में प्रमुख रूप से स्थान दिया है। इसके लिए विभाग में अलग विंग बनाने का निर्णय भी लिया है। विंग को संचालित करने की जिम्मेदारी विभाग के शिक्षक डा. रामवंत गुप्ता को सौंपी है।

वनस्पति विज्ञान विभाग में वर्तमान में ज्यादातर शोध परंपरागत विषयों पर ही होते हैं। यहां होने वाले शोध के विषय अभी भी आधुनिक तकनीक से दूर हैं। इसे ध्यान में रखकर ही विभाग ने एआइ और मशीन लर्निंग को शोध का विषय बनाने का निर्णय लिया है। इस तकनीक से पौधों की पहचान तो आसान होगी ही, उसके चरित्र को

पौधों की कार्बन डाई आक्साइड ग्रहण करने की क्षमता पर होगा शोध

विभाग ने यह भी निर्णय लिया है कि पर्यावरण संतुलन में विश्वविद्यालय की भूमिका सुनिश्चित करने के लिए पौधों की कार्बन डाई आक्साइड ग्रहण करने की क्षमता बढ़ाने पर भी शोध किया जाएगा। इसके लिए ऐसे पौधों को चुना जाएगा तो बड़ी संख्या में पृथ्वी पर मौजूद हैं पर कार्बन डाई आक्साइड ग्रहण करने में सापेक्षिक रूप से अक्षम हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय को प्रोजेक्ट भी प्राप्त हो चुका है। ऐसे में इस विषय में शोध कार्य करने की राह आसान हो चुकी है।

वनस्पति विज्ञान विभाग के शिक्षकों ने अपने शोध को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की उत्साहित करने वाली योजना बनाई है। इससे विभाग में शोध का स्तर उठेगा और शोध की दृष्टि से विश्वविद्यालय देश-दुनिया के विश्वविद्यालयों की कतार में खड़ा दिखेगा। पर्यावरण संतुलन बनाने में भी अपना योगदान सुनिश्चित कर सकेगा।

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

जानकारी भी आसानी से मिल जाएगी।

यदि पौधे वातावरण के लिए नुकसानदेह हैं तो उन्हें नष्ट करना की योजना बनाई जा सकेगी और यदि फायदेमंद हैं तो उन्हें बढ़ावा देने को लेकर योजना बनाने का रास्ता खुलेगा। अभी तक इसके लिए परंपरागत तरीके का इस्तेमाल पर ही विभाग में शोध होता रहा है। नई तकनीक के इस्तेमाल से विभाग के शोध का स्तर दायरा बढ़ेगा और उसके विश्वव्यापी होने की संभावना भी बढ़ जाएगी। विभाग का यह भी मानना है कि शोध में आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने से उसे देशभर के बेहतर शोधार्थी मिलेंगे, जिससे शोध की गुणवत्ता में तो बढ़ोतरी होगी ही, विश्वविद्यालय का उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नाम भी ऊंचा होगा।

एनएसएस परिषद की बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कमेटी हाल में शनिवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के सलाहकार परिषद की बैठक कुलपति प्रो.पूनम टंडन की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इसमें कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगी।

कार्यक्रम समन्वयक डा.ओम प्रकाश सिंह ने पिछले सत्र की प्रगति आख्या परिषद के समक्ष प्रस्तुत की। इसके बाद सत्र 2023-24 में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा किये गए कार्यों की प्रस्तुति दी गई। इसी के साथ सत्र 2024 के इकाई आवंटन, विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने, वित्त, कर्मचारियों के वेतन भुगतान, कालातीत अनुदान, समय से इकाई आवंटन, राष्ट्रीय सेवा योजना कंप्यूटर, प्रिंटर, टेबल, कार्यक्रम अधिकारियों के प्रशिक्षण, स्वरोजगार आदि विषयों पर चर्चा हुई।

एनएसएस उत्तर प्रदेश की विशेष कार्याधिकारी एवं राज्य संपर्क अधिकारी डा.मंजू सिंह ने कहा कि यह प्रधानमंत्री मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट है। बैठक में क्षेत्रीय निदेशक के प्रतिनिधि राजेश तिवारी, कुलसचिव प्रो.शांतनु रस्तोगी, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डा.अश्विनी मिश्रा, डीएसडब्ल्यू प्रो.अनुभूति दुबे आदि मौजूद रहीं।

प्रतिभागियों के साथ कुलपति प्रो. पूनम टंडन • सौ. गोरखपुर

समाज में अपनी भूमिका सुनिश्चित करें युवा : प्रो. पूनम टंडन

जासं, गोरखपुर: गोरखपुर विश्वविद्यालय और यूथ युटिल वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से आयोजित कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर का शनिवार को समापन हुआ। समापन कार्यक्रम विश्वविद्यालय के संवाद भवन में आयोजित हुआ, जिसमें कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने शिविर में शामिल युवाओं को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि युवाओं को अपने कौशल का विकास कर समाज में अपनी भूमिका सुनिश्चित करनी चाहिए। कार्यशालाएं इस दृष्टि से युवाओं के व्यक्तित्व विकास में उपयोगी साबित होती हैं। इसलिए ऐसे आयोजन का सिलसिला निरंतर जारी रहना चाहिए।

कुलपति ने कहा कि कौशल विकास से किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व में निखार आता है। उसके लिए रोजगार का मार्ग भी खुलता है। महिला अध्ययन केंद्र की निदेशक और कार्यक्रम संयोजक प्रो. दिव्या रानी सिंह ने आगंतुकों का स्वागत किया और शिविर के आयोजन के औचित्य पर प्रकाश डाला। यूथ युटिल एसोसिएशन के अध्यक्ष रत्नेश तिवारी ने कहा कि संस्था की ओर से बीते आठ वर्ष से कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जा रहा। अब 2100 से ज्यादा महिलाओं व बालिकाओं ने इसका लाभ उठाया है। विशिष्ट अतिथि के तौर पर वशिष्ठ नारायण सिंह और वेद प्रकाश मिश्र मौजूद रहे। संचालन वसुंधरा वर्मा और चेतना पांडेय ने किया। सुशील प्रसन्ना, राकेश, विजय, प्रियंका श्रीवास्तव, मंजू, सुरेंद्र तिवारी, साक्षी मिश्रा, जया तिवारी, पुष्पा तिवारी आदि मौजूद रहे।

बीएससी बायो व होमसाइंस आनर्स के लिए 3294 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

जासं, गोरखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय में इन दिनों विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए चल रही परीक्षा के क्रम में शनिवार को बीएससी बायो आनर्स और बीएससी होमसाइंस पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए परीक्षा हुई। सुबह की पाली में आयोजित इस परीक्षा में कुल 3294 अभ्यर्थियों ने परीक्षा केंद्र पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। पंजीकृत अभ्यर्थियों के मुकाबले यह उपस्थिति 83.2 प्रतिशत रही। परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय प्रशासन उसकी शुचिता के लिए मुस्तैद रहा। कुलपति प्रो पूनम टंडन ने खुद भी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया तथा अभ्यर्थियों से परीक्षा के दौरान मिल रही सहूलियत की जानकारी ली।

होम साइंस की परीक्षा संपन्न होने के बाद कला संकाय में बने एक केंद्र से तीन छात्राएं प्रश्नपत्र अपने साथ लेकर चली गईं। जब प्रश्नपत्रों का मिलान किया तो तीन पेपर कम मिले। इसके बाद उन तीनों छात्राओं को फोन कर बुलाया गया और पेपर जमा करवाया गया। दरअसल प्रवेश परीक्षा का प्रश्नपत्र अभ्यर्थी अपने साथ नहीं ले जा सकते।

सेमेस्टर सिस्टम नहीं भाया तो प्राइवेट की ओर कदम बढ़ाया

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : स्नातक पाठ्यक्रम की अध्ययन प्रणाली में बदलाव विद्यार्थियों को नहीं भा रहा है। यही वजह है कि इस प्रणाली की मुश्किलों से बचने के लिए विद्यार्थी प्राइवेट पढ़ाई की ओर कदम बढ़ा रहे हैं, जो सेमेस्टर प्रणाली के बदलाव के दौर में भी परंपरागत तरीके से ही संचालित हो रही है। बीते तीन वर्ष के दौरान प्राइवेट स्नातक में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या इसका प्रमाण है। तीन वर्ष में प्राइवेट विद्यार्थियों की संख्या में 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

यही नहीं जिन विद्यार्थियों ने प्रथम वर्ष में पढ़ाई करके दूसरे वर्ष की पढ़ाई छोड़ दी थी, उनमें भी पढ़ाई पूरी करने के लिए इस बार प्राइवेट फार्म भरने का रुझान देखा जा रहा है। गोरखपुर विश्वविद्यालय ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को पूरी तरह लागू कर दिया है। नीति के मानक पर ही सभी पाठ्यक्रमों का संचालन विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में किया जा रहा है। इसके तहत संचालित च्वायस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम में विद्यार्थियों को अत्यधिक भागदौड़ सुनिश्चित की गई है। इस प्रणाली को स्नातक के अभ्यर्थियों ने तो स्वीकार कर लिया है लेकिन परास्नातक के विद्यार्थियों के लिए यह पढ़ाई रोजगार की राह में रोड़ा लग रहा है। इसी कारण परास्नातक की पढ़ाई को छोड़ते तो इच्छुक अभ्यर्थियों ने प्राइवेट पढ़ाई की ओर रुख किया है। पहले इस वर्ष 30 हजार विद्यार्थियों का फार्म भरने वाले विद्यार्थियों की संख्या 3345 थी, वहीं इस वर्ष यह बढ़कर 4701 हो गई है।

यानी मात्र तीन वर्ष में फार्म भरने वाले विद्यार्थियों की संख्या 1356 बढ़ गई। बीते वर्ष 4351 विद्यार्थियों ने फार्म भरा था।

प्रैक्टिकल वाले विषय में नहीं होता प्राइवेट का विकल्प : प्राइवेट फार्म उन्हीं विषयों में भरा जा सकता है, जिनमें प्रैक्टिकल नहीं होता। फार्म भी प्रवेश का नहीं धनिक परीक्षा का ही भरा जाता है। यदि प्रैक्टिकल विषयों में भी प्राइवेट फार्म भरने का विकल्प खुला होता तो प्राइवेट विद्यार्थियों की संख्या और ज्यादा होती।

इसे लेकर आंकड़ों का अध्ययन तो नहीं किया गया है, लेकिन यदि ऐसा है तो विद्यार्थियों को नियमित पाठ्यक्रम के जरिये अध्ययन जारी रखने के लिए प्रेरित किया जाएगा। नियमित पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को विषय की तह तक जानकारी होती है, जिसका लाभ उनके करियर के बेहतरी में भी मिलेगा। — प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर

समाज से तय होता है राजनीति का चरित्र : डा. रवि रमेश

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र के शिक्षक डा. रवि रमेश चंद्र शुक्ला ने कहा है कि भारत में राजनीतिक स्थिरता एक चुनौती है। राजनीतिक स्थिरता के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक स्थिरता भी देश के विकास के लिए आवश्यक है। विकास के लिए नीतियों की निरंतरता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि समाज ही राजनीति का चरित्र तय करता है। डा. शुक्ला शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित वैल्यू एडेड पाठ्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अखंडता और क्षेत्रीय आकांक्षा को एक-दूसरे को पूरक बनाकर ही देश का विकास सुनिश्चित किया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार सिंह ने की। कार्यक्रम का संचालन डा. महेंद्र कुमार सिंह ने किया। (विज्ञप्ति) ।

न्यू टेक्नोलोजी से जुड़ना समय की मांग

जासं, गोरखपुर: गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने शनिवार को इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में संचालित सैमसंग इन्नोवेशन कैंपस प्रोग्राम में प्रतिभाग कर रहे विद्यार्थियों को संबोधित किया। इन्नोवेशन किट का वितरण करने के बाद कुलपति ने कहा कि नई तकनीक से जुड़ना समय की मांग है। विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डाटा, इंटरनेट आफ थिंग्स जैसी नवीनतम तकनीकों के साथ खुद को जोड़ना चाहिए। विद्यार्थियों को इनक्यूबेशन सेल में अनुसंधान प्रस्ताव प्रस्तुत करके गोविवि की विरासत को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

डा. राजीव निगम एवं इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो. उमेश यादव ने इस सैमसंग इनोवेशन प्रोग्राम को संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। अभियान्त्रिकी एवं प्रोद्योगिकी संस्थान के राजीव रंजन कुमार त्रिपाठी, डा. नरेंद्र यादव डा.राहुल कुमार, डा. सूर्यभान प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

Amar Ujala Page - 08,10

डीडीयू : 3294 ने दी बीएससी बायो की प्रवेश परीक्षा

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में शनिवार को बीएससी बायो आनर्स और बीएससी होम साइंस ऑनर्स की प्रवेश परीक्षा आयोजित हुई। इसमें 3294 अभ्यर्थी शामिल हुए। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया और अभ्यर्थियों से पेपर के बारे में जानकारी ली। साथ ही उन्हें दी जा रही सुविधाओं के बारे में जाना।

रविवार को सबसे बड़ी परीक्षा होगी। सुबह की पाली में 11 केंद्रों पर बीए ऑनर्स की परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसमें 5408 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। शाम की पाली में सात केंद्रों पर एलएलबी में 3230 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे।

गोरखपुर विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए परीक्षा देकर बाहर आते विद्यार्थी। संवाद

रविवार को होगी बीए ऑनर्स की प्रवेश परीक्षा

अपने साथ प्रश्नपत्र लेते गए तीन अभ्यर्थी

होम साइंस की परीक्षा संपन्न होने के बाद कला संकाय में बने एक केंद्र से तीन छात्राएं प्रश्नपत्र अपने साथ लेकर चली गईं। जब प्रश्नपत्रों का मिलान किया तो उसमें तीन पेपर कम मिले। इसके बाद उन तीनों छात्राओं को फोन कर बुलाया गया और पेपर जमा करवाया गया।

दीक्षांत की टॉपर लिस्ट से बाहर हो सकते हैं 135 कॉलेजों के मेधावी

डीडीयू : अगस्त में होना है दीक्षांत समारोह, कॉलेजों ने नहीं दिए वार्षिक और सम सेमेस्टर परीक्षा के अंक

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से संबद्ध 135 महाविद्यालयों के मेधावी, दीक्षांत समारोह के टॉपर लिस्ट से बाहर हो सकते हैं। अगर ये टॉप करते हैं तो भी इन्हें न तो मेडल मिलेगा और न ही प्रशस्ति पत्र। इन महाविद्यालयों की ओर से अभी तक वार्षिक परीक्षा और सम सेमेस्टर परीक्षा के मौखिक, प्रायोगिक व आंतरिक परीक्षा के अंक को उपलब्ध ही नहीं कराया गया है। दो जुलाई तक इन्हें अंतिम मौका दिया गया है, इसके बाद पोर्टल बंद कर दिया जाएगा।

विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह अगस्त में प्रस्तावित है। राजभवन से 15 अगस्त के आसपास की तिथि मिलने की उम्मीद है। इसे लेकर विश्वविद्यालय ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। 15 जुलाई तक रिजल्ट घोषित करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि इसके बाद टॉपर की सूची बनाकर मेडल और प्रशस्ति पत्र बनवा लिया जाए। इसमें सबसे ज्यादा दिक्कत महाविद्यालयों से अंकों की सूची नहीं मिलने से हो रही है। बीए, बीएससी, बीएड, एलएलबी के अंक नहीं मिले हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने पहले भी इन महाविद्यालयों को चेतावनी दी थी, लेकिन महाविद्यालयों की ओर से कोई रुचि नहीं दिखाई गई है। रजिस्ट्रार कार्यालय से 28 जून को इस संबंध में सभी कॉलेजों को पत्र लिखकर चेतावनी दी गई है।

पत्र में साफ तौर पर लिखा गया है कि दो जुलाई तक अंक अगर उपलब्ध नहीं कराए जाते हैं तो उसके बाद अंकों को अपलोड कर पाना संभव नहीं है। इसकी जिम्मेदारी महाविद्यालय की होगी। यही नहीं, महाविद्यालय को आगामी परीक्षा से वंचित किया जाएगा।

दो जुलाई तक डीडीयू के पोर्टल पर नहीं अपलोड किए तो रुक जाएगा रिजल्ट

महाविद्यालयों को दो जुलाई तक वार्षिक परीक्षा और सम सेमेस्टर परीक्षा के मौखिक, प्रायोगिक व आंतरिक परीक्षा के अंक को उपलब्ध कराने को कहा गया है। तय तिथि तक सूचना नहीं देते हैं और बाद में रिजल्ट आने पर इन कॉलेजों का छात्र टॉप करता है तो भी वह दीक्षांत के टॉपर सूची में शामिल नहीं हो पाएगा। इसकी जिम्मेदारी महाविद्यालय की होगी। हमारी कोशिश है कि 15 जुलाई तक सारे रिजल्ट घोषित कर दिए जाएं। - शांतनु रस्तोगी, कुलसचिव

चित्रकार रामोत्सव कार्यशाला का हुआ समापन

गोरखपुर। राज्य ललित कला अकादमी और संस्कृति विभाग के सौजन्य से दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के ललित कला एवं संगीत विभाग की ओर से आयोजित रामोत्सव-2024 होम स्टूडियो चित्रकार कार्यशाला का शनिवार को समापन हो गया। कार्यशाला अलीगढ़, झांसी, गोरखपुर, बरेली, कानपुर, मेरठ, वाराणसी और लखनऊ मंडल में आयोजित की गई। इस कार्यशाला में गोरखपुर मंडल की ओर से डॉ. गौरी शंकर चौहान, डॉ. परशुराम यादव, डॉ. प्रदीप कुमार साहनी, डॉ. रेखारानी शर्मा और शिवम गुप्ता ने भागीदारी की। डॉ. चौहान ने 'रामलला' का चित्र बनाया तो डॉ. परशुराम ने 'आदर्श राम' का मनमोहक चित्र खींचा। संवाद

Amar Ujala Select Page - 04

दीक्षांत की टॉपर लिस्ट से बाहर हो सकते हैं 135 कॉलेजों के मेधावी

डीडीयू : अगस्त में होना है दीक्षांत समारोह, कॉलेजों ने नहीं दिए वार्षिक और सम सेमेस्टर परीक्षा के अंक

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से संबद्ध 135 महाविद्यालयों के मेधावी, दीक्षांत समारोह के टॉपर लिस्ट से बाहर हो सकते हैं। अगर ये टॉप करते हैं तो भी इन्हें न तो मेडल मिलेगा और न ही प्रशस्ति पत्र।

इन महाविद्यालयों की ओर से अभी तक वार्षिक परीक्षा और सम सेमेस्टर परीक्षा के मौखिक, प्रायोगिक व आंतरिक परीक्षा के अंक को उपलब्ध ही नहीं कराया गया है। दो जुलाई तक इन्हें अंतिम मौका दिया गया है, इसके बाद पोर्टल बंद कर दिया जाएगा।

विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह अगस्त में प्रस्तावित है। राजभवन से 15 अगस्त के आसपास की तिथि मिलने की उम्मीद है। इसे लेकर विश्वविद्यालय ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। 15 जुलाई तक रिजल्ट घोषित करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि इसके बाद टॉपर की सूची बनाकर मेडल और प्रशस्ति पत्र बनवा लिया जाए।

इसमें सबसे ज्यादा दिक्कत महाविद्यालयों से अंकों की सूची नहीं मिलने से हो रही है। बीए, बीएससी, बीएड, एलएलबी के अंक नहीं मिले हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने पहले भी इन महाविद्यालयों को चेतावनी दी थी, लेकिन महाविद्यालयों की ओर से कोई रुचि नहीं दिखाई गई है। रजिस्ट्रार कार्यालय से 28 जून को इस संबंध में सभी कॉलेजों को पत्र लिखकर चेतावनी दी गई है।

पत्र में साफ तौर पर लिखा गया है कि दो जुलाई तक अंक अगर उपलब्ध नहीं कराए जाते हैं तो उसके बाद अंकों को अपलोड कर पाना संभव नहीं है। इसकी जिम्मेदारी महाविद्यालय की होगी। यही नहीं, महाविद्यालय को आगामी परीक्षा से वंचित किया जाएगा।

गोरखपुर विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षा देकर बाहर आते विद्यार्थी।

महाविद्यालयों को दो जुलाई तक वार्षिक परीक्षा और सम सेमेस्टर परीक्षा के मौखिक, प्रायोगिक व आंतरिक परीक्षा के अंक को उपलब्ध कराने को कहा गया है। तय तिथि तक सूचना नहीं देते हैं और बाद में रिजल्ट आने पर इन कॉलेजों का छात्र टॉप करता है तो भी वह दीक्षांत के टॉपर सूची में शामिल नहीं हो पाएगा। इसकी जिम्मेदारी महाविद्यालय की होगी। हमारी कोशिश है कि 15 जुलाई तक सारे रिजल्ट घोषित कर दिए जाएं। -शांतनु रस्तोगी, कुलसचिव

3294 अभ्यर्थियों ने दी बीएससी बायो की प्रवेश परीक्षा

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में शनिवार को बीएससी बायो आनर्स और बीएससी होम साइंस ऑनर्स की प्रवेश परीक्षा आयोजित हुई। इसमें 3294 अभ्यर्थी शामिल हुए। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया और अभ्यर्थियों से पेपर के बारे में जानकारी ली। साथ ही उन्हें दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानारविवार को सबसे बड़ी परीक्षा होगी। सुबह की पाली में 11 केंद्रों पर बीए ऑनर्स की परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसमें 5408 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। शाम की पाली में सात केंद्रों पर एलएलबी में 3230 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। होम साइंस की परीक्षा संपन्न होने के बाद कला संकाय में बने एक केंद्र से तीन छात्राएं प्रश्नपत्र लेकर चली गईं। जब प्रश्नपत्रों का मिलान किया तो उसमें तीन पेपर कम मिले। इसके बाद उन तीनों छात्राओं को फोन कर बुलाया गया और पेपर जमा करवाया गया। बता दें कि, प्रवेश परीक्षा का प्रश्नपत्र अभ्यर्थी अपने साथ लेकर नहीं जा सकते। अधिकारी के साथ ही इसे भी जमा करना होता है। जानकारी के अनुसार तीनों छात्राएं गलती से प्रश्नपत्र लेकर बाहर चली गई थीं।

नई तकनीक से जुड़ना समय की मांग : कुलपति

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने शनिवार को इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में संचालित सैमसंग इनोवेशन कैंपस प्रोग्राम में प्रतिभाग कर रहे विद्यार्थियों को संबोधित किया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों में इनोवेशन किट का वितरण करने के बाद कुलपति ने कहा कि नई तकनीक से जुड़ना समय की मांग है। विद्यार्थी को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डाटा, इंटरनेट आफ थिंग्स, कोडिंग और प्रोग्रामिंग जैसी नवीनतम तकनीकों के साथ खुद को जोड़ना चाहिए।

प्रो. टंडन ने विद्यार्थियों को इनक्यूबेशन सेल में अनुसंधान प्रस्ताव प्रस्तुत करके विश्वविद्यालय की विरासत को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। कुलपति ने गोरखपुर महोत्सव और राष्ट्रीय विज्ञान दिवस जैसे कार्यक्रमों में इंजीनियरिंग छात्रों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें बेहतर अवसरों की प्राप्ति के लिए विश्वविद्यालय के समर्थन का आश्वासन भी दिया। डॉ. राजीव निगम एवं इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो. उमेश यादव ने इस सैमसंग इनोवेशन प्रोग्राम को संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

चित्रकार रामोत्सव कार्यशाला का समापन

गोरखपुर। राज्य ललित कला अकादमी और संस्कृति विभाग के सौजन्य से दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के ललित कला एवं संगीत विभाग की ओर से आयोजित रामोत्सव-2024 होम स्टूडियो चित्रकार कार्यशाला का शनिवार को समापन हो गया।

कार्यशाला अलीगढ़, झांसी, गोरखपुर, बरेली, कानपुर, मेरठ, वाराणसी और लखनऊ मंडल में आयोजित की गई। इस कार्यशाला में गोरखपुर मंडल की ओर से डॉ. गौरी शंकर चौहान, डॉ. प्रदीप कुमार साहनी, डॉ. परशुराम यादव, डॉ. रेखारानी शर्मा और शिवम गुप्ता ने भागीदारी की। डॉ. चौहान ने 'रामलला' का चित्र बनाया तो डॉ. परशुराम ने 'आदर्श राम' का मनमोहक चित्र खींचा। डॉ. साहनी का 'मेरे राम आए' चित्र सभी को खूब भाया। डॉ. रेखा रानी शर्मा ने 'मर्यादा पुरुषोत्तम राम' और शिवम गुप्ता ने 'रघुराम' चित्र के जरिये लोगों का ध्यान खींचा।

Hindustan Page - 08

सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षा आज शामिल होंगे 8638 अभ्यर्थी

गोरखपुर, निज संवाददाता। डीडीयू में 30 जून को सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षा आयोजित है। दोनों पालियों में मिलाकर कुल 8638 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। इसे लेकर डीडीयू प्रशासन ने फूलप्रूफ तैयारियां की है।

- प्रथम पाली में बीए की परीक्षा में शामिल होंगे 5408 अभ्यर्थी
- दूसरी पाली में एलएलबी की परीक्षा, 3230 अभ्यर्थी पंजीकृत

रविवार को सुबह 9-11 बजे की पाली में बीए ऑनर्स में प्रवेश के लिए परीक्षा होगी। इसमें 5408 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। छात्रों की बड़ी संख्या को देखते हुए मुख्य कैंपस और महाराणा प्रताप परिसर में कुल 11 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इसी तरह दूसरी पाली में एलएलबी की परीक्षा है। इसमें कुल 3230 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। दूसरी पाली अपराह्न 3-5 बजे के लिए कुल 7 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। डीडीयू प्रशासन ने कहा है कि छात्र प्रवेश पत्र पर अपना केंद्र अच्छी तरह से देखने के बाद आधे घंटे पहले पहुंचें। देर से पहुंचने पर उन्हें असुविधा का सामना करना पड़ सकता है।

बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित

गोरखपुर। राष्ट्रीय सेवा योजना के सलाहकार परिषद की बैठक डीडीयू में कुलपति प्रो. पूनम टंडन की अध्यक्षता में शनिवार को संपन्न हुई। इसमें कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगी।

कार्यक्रम समन्वयक डॉ. ओम प्रकाश सिंह ने पिछले सत्र की प्रगति आख्या परिषद के समक्ष प्रस्तुत की। इसके बाद सत्र 2023-24 में एनएसएस द्वारा किए गए कार्यों पर प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया गया। इसी के साथ सत्र 2024 के इकाई आवंटन, विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने, वित्त, कर्मचारियों के वेतन भुगतान, कालातीत अनुदान, समय से इकाई आवंटन, राष्ट्रीय सेवा योजना कंप्यूटर, प्रिंटर, टेबल आदि विषयों पर चर्चा हुई।

डेढ़ सौ कॉलेजों की सुस्ती ने रोक दिया स्नातक का परिणाम

गोरखपुर, निज संवाददाता। डीडीयू में सत्र 2023-24 में भी समय से परीक्षा परिणाम जारी होने की छात्रों की उम्मीदें धराशाई हो गईं। राजभवन के निर्देश और डीडीयू प्रशासन द्वारा समयबद्ध तरीके से किए गए सभी प्रयास धरे रह गए। सीयूईटी की काउंसलिंग शुरू होने के साथ ही स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षा देने वाले छात्रों की धड़कनें तेज हो गई हैं। परास्नातक के भी कई विषयों का परिणाम अब तक जारी नहीं किया जा सका है।

राजभवन ने सभी विश्वविद्यालयों को निर्देश दिया था कि परीक्षा समाप्त होने के 21 दिनों के अंदर परिणाम घोषित कर दिए जाएं। डीडीयू ने लोकसभा चुनाव के बीच सभी विश्वविद्यालयों से पहले परीक्षाएं संपन्न करा ली। यहां मार्च में ही परीक्षाएं शुरू हो गई थीं। अप्रैल में परास्नातक की परीक्षाएं समाप्त होने के बाद स्नातक की परीक्षाएं शुरू हुई थीं।

- परिणाम जारी नहीं होने से अधर में अंतिम वर्ष के छात्रों का भविष्य
- 30 जून तक परिणाम जारी करने का डीडीयू प्रशासन का था लक्ष्य

राजनीतिक स्थिरता एक चुनौती है : डॉ. रवि

गोरखपुर। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र के डॉ रवि रमेश चंद्र शुक्ल ने कहा कि भारत में राजनीतिक स्थिरता एक चुनौती है। राजनीतिक स्थिरता के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक स्थिरता भी देश के विकास के लिए आवश्यक है। वे डीडीयू के राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित वैल्यू एडेड कोर्स कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार सिंह ने अध्यक्षता की।

समाज में अपनी भूमिका तय करें युवा

डीडीयू

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और यूथ युटिल वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर का शनिवार को संवाद भवन में समापन हो गया। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने शिविर में शामिल युवाओं को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

- कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर का संवाद भवन में हुआ समापन
- सम्मानित किए गए शिविर में शामिल होने वाले सभी प्रतिभागी

कुलपति ने कहा कि युवाओं को अपने कौशल का विकास कर समाज में अपनी भूमिका सुनिश्चित करनी चाहिए। कार्यशालाएं इस दृष्टि से युवाओं के व्यक्तित्व विकास में उपयोगी साबित होती हैं। इसलिए ऐसे आयोजन नियमित होते रहने चाहिए। कौशल विकास से किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व में निखार आता है। उसके लिए रोजगार का मार्ग भी खुलता है।

डीडीयू के महिला अध्ययन केंद्र की निदेशक और कार्यक्रम संयोजक प्रो. दिव्या रानी सिंह ने आगंतुकों का स्वागत किया। उन्होंने शिविर के आयोजन के औचित्य पर प्रकाश डाला। एसोसिएशन के अध्यक्ष रत्नेश तिवारी ने कहा कि संस्था द्वारा आठ वर्ष से कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जा रहा। अब तक 2100 से ज्यादा महिलाओं व बालिकाओं ने इसका लाभ उठाया है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में वशिष्ठ नारायण सिंह और वेद प्रकाश मिश्र मौजूद रहे। संचालन वसुंधरा वर्मा और चेतना पांडेय ने किया। इस दौरान सुशील प्रसन्ना, राकेश श्रीवास्तव, विजय श्रीवास्तव, प्रियंका श्रीवास्तव, मंजू अग्रवाल, सुरेंद्र तिवारी, साक्षी मिश्रा, जया तिवारी, पुष्पा तिवारी, अमन यादव, नवीकरण ओझा, नीतीश सिंह, दीपक चौरसिया, अभिषेक सिंह, कृति, चांदनी, शिवांगी मिश्रा, विशाल कुमार आदि मौजूद रहे।

Inext Page - 04

कौशल विकास प्रशिक्षण का समापन

GORAKHPUR (29 June): यूथ युटिल वेलफेयर एसोसिएशन (युवा इंडिया) एवं महिला अध्ययन केंद्र दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया था, जिसका शनिवार को समापन किया गया. कार्यक्रम की उद्घाटन वीसी प्रो. पूनम टंडन ने किया. कार्यक्रम वशिष्ठ नारायण सिंह, वेद प्रकाश मिश्रा, प्रो. दिव्या रानी सिंह, रत्नेश तिवारी, वसुंधरा वर्मा, चेतना पांडेय सुशील प्रसन्ना, राकेश श्रीवास्तव, विजय कुमार श्रीवास्तव, प्रियंका श्रीवास्तव, मंजु अग्रवाल, सुरेंद्र तिवारी, साक्षी मिश्रा, जया तिवारी, पुष्पा तिवारी, अमन यादव, नवीकरण ओझा, नीतीश सिंह, दीपक चौरसिया, अभिषेक सिंह, कृति, चांदनी, सिवंगी मिश्रा, विशाल कुमार आदि मौजूद रहे.

Nirbhik India

• राजनीति विज्ञान के मूल्यवर्धन कार्यक्रम को जेएनयू ने किया संबोधित

जेएनयू प्रोफेसर : जैसा समाज का चरित्र होता है वैसा ही चरित्र राजनीति का होता है

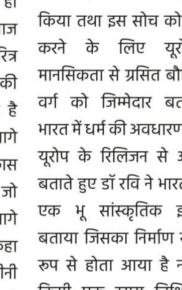

गोरखपुर, संवाददाता- दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित वैल्यू एडेड कोर्स में आज मुख्य अतिथि तथा मुख्य वक्ता जेएनयू के अंतराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र के डॉक्टर रवि रमेशचंद्र शुक्ला रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह ने की। अपने उद्बोधन में डॉ रवि रमेशचंद्र शुक्ला ने कहा कि भारत के राजनीतिक स्थिरता एक चुनौती है। राजनीतिक स्थिरता के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक स्थिरता भी देश के विकास के लिए आवश्यक है। डॉ रवि ने विकास के लिए नीतियों की निरंतरता के महत्व को रेखांकित किया। जेएनयू के सेंटर फॉर कम्परेटिव पॉलिटिक्स एंड पॉलिटिकल थ्योरी के अध्यक्ष डॉ रवि ने कहा कि भारतीय राजनीति के समक्ष राष्ट्रीय अखंडता एक चुनौती है। राष्ट्रीय अखंडता एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अखंडता और क्षेत्रीय आकांक्षाएं एक दूसरे की पूरक बनकर न की परस्पर विरोधी बनकर देश का विकास सुनिश्चित किया जा सकता है। राष्ट्रीय अखंडता कभी ना खत्म होने वाली प्रक्रिया है क्यूंकि नई पीढ़ी की नई आकांक्षाएं होती है। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए डॉ रवि रामचंद्र शुक्ल ने कहा कि भारत में राजनीति के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती सामाजिक विकास की है। नागरिक के निर्माण के विषय को नजअंदाज किया गया। मानव विकास पर तथा नैतिक समाज के निर्माण को ज्यादा महत्व नहीं दिया गया। राजनीतिज्ञ हमारे ही प्रतिमूर्ति होते हैं जैसा समाज का चरित्र होता है वैसा ही चरित्र राजनीति का होता है भारत की राजनीति की आवश्यकता है कि वह चुनावी राजनीति से आगे बढ़े राजनीतिक विकास राजनीतिक भागीदारी जो काफी कम है उसे उसे आगे बढ़ना होगा। डॉ शुक्ला ने कहा कि भ्रष्टाचार खासकर जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार एक बड़ी चुनौती है। भारत के राजनीति के समक्ष संसाधनों के आवंटन की प्रक्रिया में हमें देश के लोगों की ज़रूरतें उनकी आकांक्षाएं पूरी करनी होगी यह भारत के राजनीति की के समक्ष बड़ी चुनौती है। डॉ रवि ने साम्प्रदायिकता तथा धर्म के बीच अलगाव को रेखांकित किया तथा इस सोच को पैदा करने के लिए यूरोपीय मानसिकता से ग्रसित बौद्धिक वर्ग को जिम्मेदार बताया। भारत में धर्म की अवधारणा को यूरोप के रिलिजन से अलग बताते हुए डॉ रवि ने भारत को एक भू सांस्कृतिक इकाई बताया जिसका निर्माण सतत रूप से होता आया है न कि किसी एक खास तिथि या घटना पर हुआ है। कार्यक्रम का संचालन डॉ महेंद्र कुमार सिंह ने किया तथा कार्यक्रम में महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के शिक्षक गण तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

कल हैं बीए आनर्स तथा एलएलबी की प्रवेश परीक्षा

गोरखपुर, संवाददाता- दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में आज बीएससी (बायो) आनर्स तथा बीएससी (होम साइंस) आनर्स के लिए प्रवेश परीक्षा सकुशल, शुचितापूर्वक संपन्न हुई।

सिर्फ सुबह की पाली में आयोजित आज की परीक्षा में 3294 (83.22%) अभ्यर्थी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो पूनम टंडन ने आज भी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया तथा अभ्यर्थियों से पेपर के बारे में जाना तथा उन्हें दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

कल दो प्रमुख प्रोग्राम की परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। सुबह की पाली में 11 केंद्रों पर बीए आनर्स की परीक्षा आयोजित की जाएगी। तथा शाम की पाली में 7 केंद्रों पर एलएलबी में प्रवेश के लिए परीक्षा आयोजित की जाएगी।

एक समूह को कुचल गया था।

आज की उपस्थिति

बीएससी (बायो) आनर्स तथा बीएससी (होम साइंस) आनर्स 3294 (83.22%)

आज की उपस्थिति

☆ सुबह : बीए आनर्स / 11 केंद्रों पर

☆ शाम : एलएलबी / 7 केंद्रों पर

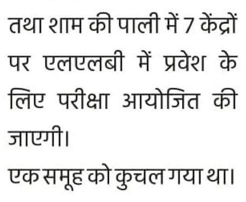

Swatantra Chetna Page - 04

अद्भुत कला के लिए वि.वि. के शिक्षक होंगे सम्मानित

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर राज ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश तथा सांस्कृतिक विभाग के सौजन्य से दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के ललित कला एवं संगीत विभाग द्वारा आयोजित रामोत्सव 2024 होम स्टूडियो चित्रकार कार्यशाला का आज समापन किया गया। यह कार्यशाला उत्तर प्रदेश के अलीगढ़, झांसी गोरखपुर, बरेली, कानपुर, मेरठ, वाराणसी तथा लखनऊ मंडल में आयोजित की गई थी जिसके अंतर्गत राज्य ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश द्वारा गोरखपुर मंडल से पांच कराकारों डॉ गौरी शंकर चौहान, डॉ० परशुराम यादव, डॉ० प्रदीप कुमार साहनी, डॉ० रेखा रानी शर्मा तथा शिवम गुप्ता का चयन किया गया था कार्यशाला की संयोजिका प्रोफेसर उषा सिंह ने सभी कलाकारों को बधाई देते हुए उनकी उत्कृष्ट कलाकृतियों की प्रशंसा की और कहा कि रामोत्सव विषय बहुत ही व्यापक है इस विषय पर कलाकारों ने श्री राम से संबंधित अनेक घटनाओं को चित्रण करने का सार्थक प्रयास किया है। कार्यशाला में डॉ० गौरी शंकर चौहान ने "राम लला" का सुंदर चित्रण किया डॉ० परशुराम यादव ने "आदर्श राम" का मनमोहक चित्र बनाया डॉ० प्रदीप साहनी ने "मेरे राम आए" शीर्षक पर सुंदर चित्रांकन किया, डॉ० रेखा रानी शर्मा ने "मर्यादा पुरुषोत्तम राम" का आकर्षक चित्रण किया शिवम गुप्ता ने "रघुराम" का सुंदर चित्रण किया।

अकादमी द्वारा इन कलाकारों को 10-10 हजार रुपए तथा प्रमाण- पत्र देकर सम्मानित भी किया जाएगा।

प्रतिभावान प्रतिभागियों को कुलपति ने किया पुरस्कृत

गोरखपुर (यूथ युटिल वेलफेयर एसोसिएशन (युवा इंडिया) एवं महिला अध्ययन केंद्र दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह एवं पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र वितरण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के संवाद भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कुलपति प्रो० पूनम टंडन द्वारा सरस्वती माँ की प्रतिमा पर पुसपार्चन एवं दीप प्रज्वलन किया गया।

मुख्य अतिथि के समक्ष विभिन्न कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए जिन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने सभी शिक्षिकाओं को एवं विधाओं के सर्वश्रेष्ठ बच्चों को पुरस्कृत किया एवं उनका उत्साहवर्धन भी किया।

मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज के हर तबके के व्यक्तियों विशेष कर बच्चों और महिलाओं को कुछ नवीन गुड या कौशल सीखकर समाज के मुख्य धारा में ना केवल शामिल होना चाहिए वरन समाज के प्रति अपनी भूमिकाओं का सम्यक निर्वाह करना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि डॉ मंगलेश श्रीवास्तव ने बतौर विशिष्ट अतिथि अपने उद्बोधन में कहा ऐसी कार्यशालाएं व्यक्तिव निर्माण की दृष्टि से बहुत महतूपर्ण होती है, इसलिए ऐसे आयोजन होते रहना चाहिए।

रामोत्सव विषय बहुत ही व्यापक है : प्रो. उषा सिंह

गोरखपुर (एसएनबी)। रामोत्सव विषय बहुत ही व्यापक है इस विषय पर कलाकारों ने श्री राम से संबंधित अनेक घटनाओं को चित्रण करने का सार्थक प्रयास किया है।

यह बातें प्रोफेसर उषा सिंह ने कहीं। वे राज ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश तथा सांस्कृतिक विभाग के सौजन्य से दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के ललित कला एवं संगीत विभाग द्वारा आयोजित रामोत्सव 2024 होम स्टूडियो चित्रकार कार्यशाला के समापन अवसर पर शनिवार को सभी कलाकारों का उत्साहवर्द्धन कर रही थीं। राज्य ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश द्वारा गोरखपुर मंडल से पांच कराकारों डॉ. गौरी शंकर चौहान, डॉ. परशुराम यादव, डॉ. प्रदीप कुमार साहनी, डॉ. रेखा रानी शर्मा तथा शिवम गुप्ता का चयन किया गया था। कार्यशाला की संयोजिका प्रो. उषा ने सभी कलाकारों की उत्कृष्ट कलाकृतियों की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में डॉ. गौरी शंकर चौहान ने 'राम लला' का सुंदर चित्रण किया है। डॉ. परशुराम यादव ने आदर्श राम का मनमोहक चित्र बनाया डा. प्रदीप साहनी ने 'मेरे राम आए' शीर्षक पर सुंदर चित्रांकन किया, डॉ. रेखा रानी शर्मा ने 'मर्यादा पुरुषोत्तम राम' का आकर्षक चित्रण किया जबकि शिवम गुप्ता ने 'रघुराम' को खूबसूरती से उकेरा।

तीसरे दिन 3294 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर: दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में आज बीएससी (बायो) आनर्स तथा बीएससी (होम साइंस) आनर्स के लिए प्रवेश परीक्षा सकुशल, शुचितापूर्वक संपन्न हुई।

सिर्फ सुबह की पाली में आयोजित परीक्षा में 3294 अभ्यर्थी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो पूनम टंडन ने आज भी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया तथा अभ्यर्थियों से पेपर के बारे में जाना तथा उन्हें दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। रविवार को दो प्रमुख प्रोग्राम की परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। सुबह की पाली में 11 केंद्रों पर बीए आनर्स की परीक्षा आयोजित की जाएगी। तथा शाम की पाली में 7 केंद्रों पर एलएलबी में प्रवेश के लिए परीक्षा आयोजित की जाएगी।

आज होने वाली परीक्षाएं

सुबह : बीए आनर्स / 11 केंद्रों पर

शाम : एलएलबी / 7 केंद्रों पर

Rashtriya Sahara Page - 07

सभी को किसी न किसी कौशल में माहिर होना जरूरी

गोरखपुर (एसएनबी)। यूथ युटिल वेलफेयर एसोसिएशन (युवा इंडिया) एवं महिला अध्ययन केंद्र दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह, पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र वितरण कार्यक्रम संवाद भवन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। शिविर के समापन में विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र वितरित किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने सभी शिक्षिकाओं को एवं विधाओं के सर्वश्रेष्ठ बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि समाज के हर तबके के व्यक्तियों विशेष कर बच्चों और महिलाओं को कुछ नवीन गुण या कौशल सीखकर समाज के मुख्य धारा में न केवल शामिल होना चाहिए वरन समाज के प्रति अपनी भूमिकाओं का सम्यक निर्वाह करना चाहिए।

- डीडीयू में कौशल विकास शिविर का हुआ समापन
- विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

कौसल विकास कार्यक्रम के समापन अवसर पर कुलपति प्रो. पूनम टंडन, प्रो. दिव्या रानी सिंह, रत्नेश कुमार तिवारी के साथ पुरस्कृत प्रतिभागी।

विशिष्ट अतिथि डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव ने कहा ऐसी कार्यशालाएं व्यक्तिव निर्माण की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण होती है। विशिष्ट अतिथि वशिष्ट नारायण सिंह एवं वेद प्रकाश मिश्रा द्वारा बालिकाओं एवं महिलाओं को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र वितरण किया गया। महिला अध्ययन केंद्र की निदेशक एवं कार्यक्रम संयोजक प्रो. दिव्या रानी सिंह ने कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर के बारे में बताया। कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष रत्नेश तिवारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

न्यू टेक्नोलॉजी से जुड़ना समय की मांग : प्रो.पूनम टंडन

गोरखपुर (एसएनबी)। न्यू टेक्नोलोजी जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डाटा, कोडिंग एवं प्रोग्रामिंग जैसी नवीनतम तकनीकों के साथ खुद को जोड़ना समय की मांग है। जल्द ही इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय में अत्याधुनिक सुविधाओं को जोड़ा जायेगा।

- डीडीयू में सैमसंग इन्नोवेशन प्रोग्राम आयोजित

उक्त बातें प्रो. प्रोफेसर टंडन कुलपति दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में संचालित हो रहे सैमसंग इन्नोवेशन केंपस प्रोग्राम में कहीं। उन्होंने बीटेक के छात्रों को इनक्यूबेशन सेल में अनुसंधान प्रस्ताव प्रस्तुत करके विश्वविद्यालय की विरासत को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर कुलपति ने छात्र-छात्राओं को स्वदेश संस्था की तरफ से सैमसंग इन्नोवेशन केंपस किट का वितरण भी किया। स्वदेश सोसायटी एवं गोरखपुर विश्वविद्यालय के मध्य एमओयू के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों को बेहतर अवसरों की प्राप्ति के लिए विश्वविद्यालय के समर्थन का आश्वासन भी दिया। 'स्वदेश समिति' के प्रेसिडेंट डा. राजीव निगम एवं इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रोफेसर उमेश यादव ने इस सैमसंग इनोवेशन प्रोग्राम को संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। इस अवसर पर अभियान्त्रिकी एवं प्रोद्योगिकी संस्थान के राजीव रंजन कुमार त्रिपाठी, डॉ. नरेंद्र यादव, डा. राहुल कुमार, स्वदेश के डा. नितिन शंकर एवं श्री कौस्तुभ नारायण त्रिपाठी सहित 60 से अधिक की संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

सेवाभाव से कार्य करके एनएसएस की गरिमा बढ़ाएं : डॉ. मंजू सिंह

गोरखपुर (एसएनबी)। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कमेटी हाल में राष्ट्रीय सेवा योजना के सलाहकार परिषद की बैठक कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर एनएसएस उत्तर प्रदेश की विशेष कार्याधिकारी एवं राज्य संपर्क अधिकारी डा. मंजू सिंह ने कहा कि सभी कार्यक्रम अधिकारियों और स्वयं सेवकों को सेवा भाव के साथ कार्य कर एनएसएस की गरिमा बढ़ानी होगी।

- राष्ट्रीय सेवा योजना के सलाहकार परिषद की बैठक हुई आयोजित
- एनएसएस के कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव हुए पारित

उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसके अन्तर्गत सभी युवा का अनबोर्ड (पंजीकरण) आवश्यक है। सत्र 2024 के इकाई आवंटन, विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने पर विचार, वित्त, कर्मचारियों के वेतन भुगतान, कालातीत अनुदान, समय से इकाई आवंटन, राष्ट्रीय सेवा योजना हेतु कम्प्यूटर, प्रिंटर, टेबल, कार्यक्रम अधिकारियों के प्रशिक्षण, स्वरोजगार आदि विषयों पर चर्चा हुई। बैठक में मुख्य रूप से क्षेत्रीय निदेशक के प्रतिनिधि के रूप में राजेश तिवारी, कुलसचिव प्रोफेसर शान्तनु रस्तोगी, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डा. अश्विनी मिश्रा, डीएसडब्ल्यू प्रो. अनुभूति दुबे सलाहकार समिति के वरिष्ठ सदस्य प्रो. जितेंद्र मिश्रा, प्रो. उमेश नाथ त्रिपाठी, प्रो. धनंजय कुमार, कार्यक्रम अधिकारी डा. मनीष पाण्डेय, डा. प्रभुनाथ प्रसाद, डा. अपरा त्रिपाठी, डा. अखिल मिश्रा, विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य प्रतिनिधि, स्वयं सेवक समेत शासन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रामोत्सव विषय बहुत ही व्यापक है : प्रो. उषा सिंह

गोरखपुर (एसएनबी)। रामोत्सव विषय बहुत ही व्यापक है इस विषय पर कलाकारों ने श्री राम से संबंधित अनेक घटनाओं को चित्रण करने का सार्थक प्रयास किया है।

यह बातें प्रोफेसर उषा सिंह ने कहीं। वे राज ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश तथा सांस्कृतिक विभाग के सौजन्य से दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के ललित कला एवं संगीत विभाग द्वारा आयोजित रामोत्सव 2024 होम स्टूडियो चित्रकार कार्यशाला के समापन अवसर पर शनिवार को सभी कलाकारों का उत्साहवर्द्धन कर रही थीं। राज्य ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश द्वारा गोरखपुर मंडल से पांच कराकारों डॉ. गौरी शंकर चौहान, डॉ. परशुराम यादव, डॉ. प्रदीप कुमार साहनी, डॉ. रेखा रानी शर्मा तथा शिवम गुप्ता का चयन किया गया था। कार्यशाला की संयोजिका प्रो. उषा ने सभी कलाकारों की उत्कृष्ट कलाकृतियों की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में डॉ. गौरी शंकर चौहान ने 'राम लला' का सुंदर चित्रण किया है। डॉ. परशुराम यादव ने आदर्श राम का मनमोहक चित्र बनाया डा. प्रदीप साहनी ने 'मेरे राम आए' शीर्षक पर सुंदर चित्रांकन किया, डॉ. रेखा रानी शर्मा ने 'मर्यादा पुरुषोत्तम राम' का आकर्षक चित्रण किया जबकि शिवम गुप्ता ने 'रघुराम' को खूबसूरती से उकेरा।

बीएससी बायो व होमसाइंस में प्रवेश को 3294 ने दी परीक्षा

गोरखपुर (एसएनबी)। गोविवि. की प्रवेश परीक्षाओं के तहत शनिवार को केवल प्रथम पाली में स्नातक बीएससी की परीक्षा आयोजित थी। जिसके अन्तर्गत बीएससी (बायो) आनर्स एवं बीएससी (होमसाइंस) आनर्स में कुल 3294 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी।

- डीडीयू: में स्नातक एवं परास्नातक के पाठयक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा
- बीए आनर्स तथा एलएलबी की प्रवेश परीक्षा आज

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में दो पालियों में स्नातक एवं परास्नातक के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश को दो पालियों में परीक्षाएं आयोजित हैं। शनिवार को प्रथम पाली में आयोजित परीक्षा के दौरान कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया तथा अभ्यर्थियों से पूछा पेपर कैसा है। परीक्षा में 3294 (83.22 प्रतिशत) अभ्यर्थी उपस्थित रहे।

आज दो प्रमुख प्रोग्राम की होगी परीक्षा

रविवार को दो प्रमुख प्रोग्राम की परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। सुबह की पाली में 11 केंद्रों पर बीए आनर्स की परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा शाम की पाली में 7 केंद्रों पर एलएलबी में प्रवेश के लिए परीक्षा आयोजित की जाएगी।